क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश में चन्दन आधारित कृषिवानिकी

पूर्वी उत्तर प्रदेश में चन्दन आधारित कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आई सी एफ आर ई - ई आर सी प्रयागराज तथा आई सी एफ आर ई - आई डब्लू एस टी , बैंगलोर के संयुक्त तत्वावधान में प्रतापगढ़ जिले के बेलहा क्षेत्र के भदेना ग्राम में मर्सीलोन एग्रीफार्म पर संयोजक श्री उत्कृष्ट पांडेय द्वारा क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में आई सी एफ आर ई - आई डब्लू एस टी , बैंगलोर के डॉ॰ सुंदरराज, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्रतिभागियों को क्षेत्र में चन्दन की खेती अपनाए जाने संबंधी बिन्दुओं पर चर्चा किया। उन्होने, नर्सरी, पौधरोपण, क्षेत्र रख रखाव तथा बिक्री आदि पर विस्तार में चर्चा किया।

आई सी एफ आर ई - ई आर सी प्रयागराज की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने चन्दन कि खेती के लिए क्षेत्र को उपयुक्त बताया । डॉ. श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए क्षेत्र की स्थापित प्रजातियों यथा- यूकेलिप्टस, पोपलर, सहजन, गंहार, आवला, सागौन आदि के कृषिवानिकी में महत्व पर तथा आर्थिकी पर प्रकाश डाला। संयोजक उत्कृष्ट पांडेय द्वारा पूर्व में आई सी एफ आर ई - आई डब्लू एस टी , बैंगलोर के निर्देशन में लगभग 3 वर्ष पूर्व लगाए गए 500 वृक्षों की जानकारी दी गयी । उन्होने अपने संभाषण में चन्दन कि खेती हेतु अन्य कृषकों का आह्वान किया। उन्होने बताया की डॉ सुंदरराज द्वारा समय समय पर वृक्षों के रख रखाव की जानकारी दी जाती है। श्री पांडेय ने चन्दन की नर्सरी भी तैयार की हुई है, जहां से अन्य किसान पौध सामग्री प्राप्त कर सकते है।

व्याख्यान के पश्चात आईसीएफ़आरई वैज्ञानिकों की टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर चन्दन के वृक्षारोपण का निरीक्षण भी किया गया और प्रतीकात्मक रूप में चन्दन के पौधों के रोपण विधि का प्रदर्शन भी प्रतिभागियों के सम्मुख किया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक किसानों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया ।

कार्यक्रम की झलकियाँ

और फील्ड विजिट
डॉ. अनुमा
श्रीवास्तव

प्रशिक्षण और फील्ड विजिट
चन्दन
उपवन
औषधि
उपवन

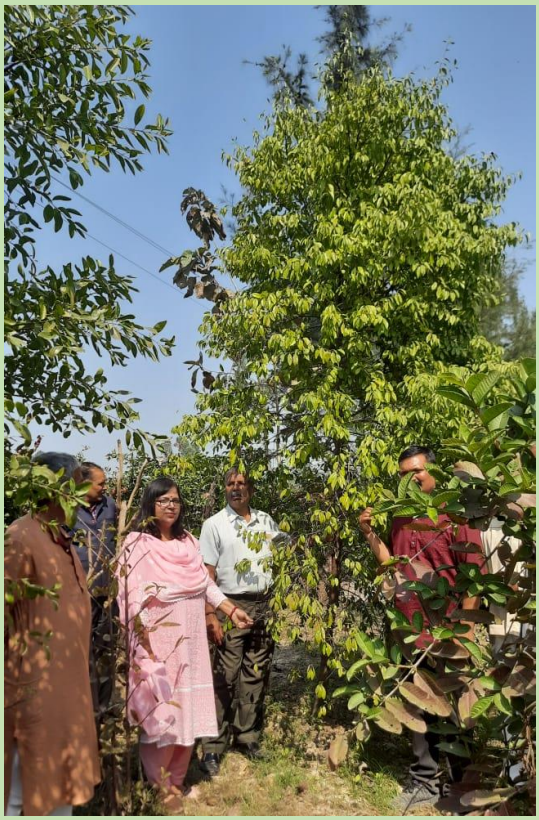

प्रतापगढ़ में 3 वर्ष का चन्दन वृक्षारोपण

चन्दन की नर्सरी

सफेद चंदन की खेती है आसान : डा. रामचंद्रन

संसू, कोहड़ौर : चंदन की खेती पर भदौना के मर्सिलोन एग्रोफार्म पर प्रशिक्षण और फील्ड विजिट का आयोजन मंगलवार को किया गया। इसमें बेंगलुरु से आए हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रामचंद्रन सुंदराजन और प्रयागराज के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने विचार रखे। किसानों ने सवाल पूछकर भी जानकारी हासिल की।

भदौना में मंगलवार को कार्यशाला मे चंदन की खेती के बारे में बताते वैज्ञानिक डा. रामचंद्रन • जागरण

डा. रामचंद्रन ने चंदन की खेती करने पर जोर दिया। कहा कि सफेद चंदन कहीं भी हो सकता है, बस थोड़ी सी देखरेख की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम स्थल पर चंदन के वृक्षों को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। कहा कि यहां पर चंदन बहुत ही बेहतरीन तरीके से उगाया जा रहा है और लोगों को इस माडल को अपनाने की आवश्यकता है। डा. अनुभा श्रीवास्तव ने सामाजिक वानिकी विषय पर बताया कि किसान सामाजिक वानिकी को अपनाकर अपनी आय को दोगुना कर सकता है।

प्रशिक्षण में उपस्थित लोग चंदन की खेती पर विशेषज्ञों की राय सुनकर उत्साहित हो गए। भविष्य में उन्होंने चंदन की खेती करने का मन बनाया। एग्रोफार्म भदौना में रिटायर्ड सहायक सेना नायक उत्कृष्ट पांडेय द्वारा चंदन, काली हल्दी, कस्तूरी हल्दी की खेती बड़े पैमाने पर की जा रही है। उन्होंने अपने प्रयास से इस प्रशिक्षण को दक्षिण भारत के वैज्ञानिक द्वारा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए कराया था। वहां नर्सरी में पौध भी तैयार हो रही है, जो किसानों के लिए उपलब्ध है।

.....